BA 1st year राजनीतिक सिद्धांत

Political Theory (Major Subject)

अब होगी BA के साथ UPSC व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी

BA के नियमित एवं प्राइवेट छात्रो हेतु उपयोगी कक्षाए

LODHAJI CLASSES

Class - 04

Based on New Education Policy

राजनीति विज्ञानं

परम्परागत और आधुनिक द्रष्टिकोण तुलनात्मक अध्ययन

Free Compelet BA on Youtube With Notes

By Lodhaji sir

वी.वी. तायल
राजनीतिक सिद्धांत
सुलतान चन्द एण्ड संस

भारतीय
राजनीतिक
व्यवस्था
OnlineBooksStore.in
Every Book at best price
एस. एम. सईद

Spectrum's Rapid Revision Studypack
लोक प्रशासन
सिद्धांत एवं व्यवहार
&
भारतीय प्रशासन

भारतीय राष्ट्रीय
आंदोलन

आर पी यूनीफाइड
राजनीति विज्ञान
भारतीय संविधान
INDIAN CONSTITUTION
प्रथम वर्ष : मौख विषय
डॉ. जे. श्यामसुन्दरम • डॉ. सी. पी. शर्मा
राम प्रसाद एण्ड संस

प्रज्ञान हिंदी

प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी करने के लिए नए YouTube चैनल "प्रज्ञान हिंदी" को Join करे

UPSC, PSC, Railway, SI, Banking, SSC, POLICE

Unit - 1 (राजनीतिक सिद्धांत का बोध)

1. राजनीति सिद्धांत - अर्थ एवं महत्व !
2. राजनीति के अध्ययन के दृष्टिकोण।
3. राजनीति विज्ञान से जुड़े शब्द : **राजनीति विज्ञान**, राजनीतिक दर्शन, राजनीतिक सिद्धांत, राजनीतिक विचार एवं राजनीति।
4. विचारधाराओं का परिचय।

BA On Youtube

राजनीति विज्ञान के परंपरागत और आधुनिक दृष्टिकोण : तुलनात्मक अध्ययन

- राजनीति विज्ञान की परिभाषा और क्षेत्र के संबंध में परंपरागत दृष्टिकोण का प्रतिपादन गार्नर, सीले, लिकॉक, लास्की आदि विद्वानों द्वारा किया गया है। जबकि आधुनिक दृष्टिकोण के प्रमुख प्रतिपादक हैं - डेविड ईस्टन, रॉबर्ट, केटलिन, लासवेल आदि। विषय की परिभाषा और क्षेत्र के संबंध में आधुनिक दृष्टिकोण निम्न रूपों में परंपरागत दृष्टिकोण से अलग है -

1) परंपरागत दृष्टिकोण राजनीतिक संस्थाओं अर्थात राज्य सरकार आदि के अध्ययन पर बल देता है। लेकिन आधुनिक दृष्टिकोण की मान्यता यह है कि राजनीतिक संस्थाएं व्यक्ति से चालित होती है और व्यक्तियों के व्यवहार के माध्यम से ही राजनीतिक जीवन को समझा जा सकता है। अतः वह व्यक्तियों के व्यवहार के अध्ययन को सर्वोपरि महत्व देता है।

2) परंपरागत दृष्टिकोण में राजनीति विज्ञान का अध्ययन अलगाव के रूप में किया जाता है और यह अपने आप को मात्र राजनीतिक प्रक्रियाओं और प्रतिक्रियाओं तक सीमित कर लेता है। लेकिन आधुनिक दृष्टिकोण की मान्यता यह है कि व्यक्ति के राजनीतिक जीवन को उसके सामाजिक जीवन के संदर्भ में ही उचित रूप से समझा जा सकता है।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

राजनीति विज्ञान के परंपरागत और आधुनिक दृष्टिकोण : तुलनात्मक अध्ययन

3) परंपरागत दृष्टिकोण में राजनीति विज्ञान के आदर्शात्मक पक्ष पर अधिक बल दिया गया है। यह दृष्टिकोण राजनीतिक अध्ययन को नीतिशास्त्र के बहुत अधिक समीप ला देता है। लेकिन आधुनिक दृष्टिकोण आदर्श पक्ष की अपेक्षा यथार्थवादी पक्ष पर अधिक बल देता है। इस प्रकार राजनीति विज्ञान को पदार्थ विज्ञानों के निकट लाने का प्रयत्न करता है।

4) परंपरागत दृष्टिकोण राजनीतिक संस्थाओं के अध्ययन पर बल देता है और इस दृष्टि से मात्र औपचारिक अध्ययन बनकर रह गया है। लेकिन आधुनिक लेखक राजनीतिक संस्थाओं की अपेक्षा उन साधनों तथा प्रक्रियाओं को अधिक महत्व देते हैं जिनके आधार पर राजनीतिक संस्थाएं कार्य करती है। इस दृष्टि से आधुनिक राजनीतिक अध्ययनों में एक वास्तविकता आ गई है।

5) परंपरागत दृष्टिकोण राजनीति विज्ञान के अध्ययन के लिए परंपरागत, ऐतिहासिक, तुलनात्मक और दार्शनिक पद्धतियों का प्रयोग करता है। लेकिन आधुनिक दृष्टिकोण का सर्व प्रमुख उद्देश्य राजनीति विज्ञान को अधिक वैज्ञानिकता प्रदान करना है।

निष्कर्ष -

- राजनीति विज्ञान की परिभाषा और क्षेत्र के संबंध में परंपरागत और आधुनिक दृष्टिकोण में उपरोक्त मत विभिन्नताओं के बावजूद इन दोनों को परस्पर विरोधी नहीं समझा जाना चाहिए तथा अध्ययन के परंपरागत दृष्टिकोण के स्थान पर पूर्णतया आधुनिक दृष्टिकोण अपनाए जाने के स्थान पर आधुनिक दृष्टिकोण के प्रकाश में परंपरागत दृष्टिकोण की कमियों को दूर कर यथासंभव विषयों को वैज्ञानिकता की दिशा में आगे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है !
- वस्तुतः राजनीति विज्ञान के यह दोनों दृष्टिकोण एक दूसरे के पूरक हैं और उसे इसी रूप में ग्रहण करने की आवश्यकता है !

Next Session will be on...

राजनीति विज्ञान की प्रकृति

THANK YOU

New way of Learning….
https://t.me/lodhajiclasses

सभी क्लास नोट्स के
pdf download
करने हेतु join करे

Telegram

Link
LODHAJI CLASSES

प्रज्ञान
हिंदी